RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 29 अगस्त 2022 वर्ष 04 अंक 116 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

एकनाथ शिंदे ने बदल दिया शिवसेना के दफ्तर का पता...

यशवंत जाधव मुंबई के पार्टी अध्यक्ष नियुक्त, नया एड्रेस ठाणे किया गया

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे को एक और झटका दिया है। शिंदे ने शिवसेना के पार्टी के केंद्रीय कार्यालय का पता बदलकर ठाणे के आनंद आश्रम में कर दिया है। जबकि उद्धव गुट वाले शिवसेना का केंद्रीय कार्यालय मुंबई के दादर में स्थित है। बता दें कि ठाणे को एकनाथ शिंदे का गढ़ माना जाता है। यशवंत जाधव, जो शिंदे गुट से आते हैं, उन्हें मुंबई में पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके नियुक्ति लेटर पर ही पार्टी के केंद्रीय कार्यालय का पता ठाणे लिखा है।

शिवसेना पर शिंदे ने किया दावा

दरअसल, महाराष्ट्र में अघाड़ी सरकार गिराने के बाद सीएम शिंदे शिवसेना पर अपना अधिकार जता रहे हैं। शिंदे के मुताबिक वो सभी विधायक उनके साथ हैं, जिन्होंने उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी। महाराष्ट्र में सरकार बनाने के बाद एकनाथ शिंदे ने शिवसेना पर दावा किया था। इसको लेकर उन्होंने चुनाव आयोग को लेटर भी लिखा है। हालांकि उद्धव गुट की तरफ से पहले ही चुनाव आयोग को लेटर भेज दिया गया था। शिवसेना किसकी है? शिंदे और ठाकरे गुट के बीच मचे घमासान का मामले की सुनवाई सुप्रीम (SC) कोर्ट में चल रही है। 3 अगस्त को इस मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने शिंदे गुट पर टिप्पणी करते हुए था कि हमने 10 दिन के लिए सुनवाई क्या टाली आपने (शिंदे) सरकार बना ली। कोर्ट ने आगे कहा कि जब तक ये मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तब तक चुनाव आयोग कोई फैसला न ले सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान उखकएनवी रमना, जस्टिस कृष्णा मुरारी और जस्टिस हिमा कोहली ने 8 सवाल तैयार किए थे, जिसके आधार पर संविधान पीठ फैसला करेगी कि शिवसेना किसकी है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह पार्टी सिंबल विवाद पर गुरुवार तक फैसला ना ले। 4 अगस्त को इस मामले पर अगली सुनवाई हुई। तब रउ ने कहा- जब तक ये मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तब तक चुनाव आयोग कोई फैसला न लें। 23 अगस्त को इस मामले में अगली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मामला संविधान पीठ को ट्रांसफर किया।

शिंदे ने अयोग्यता के आरोप को बताया था गलत

पिछली सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि हमारे ऊपर अयोग्यता का आरोप गलत लगाया गया है। हम अभी भी शिवसैनिक हैं। उधर, सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे गुट की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि शिंदे गुट में जाने वाले विधायक संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत अयोग्यता से तभी बच सकते हैं, अगर वो अलग हुए गुट का किसी अन्य पार्टी में विलय कर देते हैं। उन्होंने कहा था कि उनके बचाव का कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

खुद को आदित्य ठाकरे बताकर शिवसेना कार्यकर्ता से मांगे 25 हजार रुपये, केस दर्ज

मुंबईः मुंबई में एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को आदित्य ठाकरे बताकर शिवसेना कार्यकर्ता से 25 हजार रुपये मांगे। मुंबई पुलिस इस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। इस मामले में शिवसेना कार्यकर्ता को जब ठगी की कोशिश का अहसास हुआ तो उसने फौरन पुलिस में शिकायत की। शुरूआती जांच में सामने आया है कि जिस नंबर से फोन किया गया वह यूपी का है। मुंबईः मुंबई में एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को आदित्य ठाकरे बताकर शिवसेना कार्यकर्ता से 25 हजार रुपये मांगे। मुंबई पुलिस इस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। इस मामले में शिवसेना कार्यकर्ता को जब ठगी की कोशिश का अहसास हुआ तो उसने फौरन पुलिस में शिकायत की। शुरूआती जांच में सामने आया है कि जिस नंबर से फोन किया गया वह यूपी का है। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता को तत्काल अहसास हुआ कि यह ठगी की कोशिश है और इसकी सूचना उसने शिवसेना पदाधिकारियों को दी। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच से पता चला है कि जिस नंबर से फोन किया गया था वह उत्तर प्रदेश का है।

फिल्म बदलापुर की तरह बैग में मिली डेड बॉडी

मुंबई में नौवीं में पढ़ने वाली लड़की की बेरहमी से हत्या!

मुंबई : मुंबई से सटे ठाणे जिले के नायगांव में एक 15 साल की लड़की की डेड बॉडी पाई गई है. यह डेड बॉडी बिलकुल बॉलीवुड फिल्म बदलापुर की तरह एक ट्रैवल बैग में पाई गई. यह लड़की मुंबई के अंधेरी इलाके की रहने वाली है. पुलिस तहकीकात में जुहू इलाके की एक झोपड़ी में उसकी हत्या किए जाने की जानकारी मिली है. मृत लड़की का 21 साल का दोस्त और जुहू में जिस झोपड़ी में हत्या हुई, उसी झोपड़ी में रहने वाला उसका सहयोगी ही इस मामले में संदिग्ध पाया गया है.

लड़की की हत्या कर उसकी डेड बॉडी पहले एक ट्रैवल बैग में भरी गई और फिर वह बैग नायगांव ले जाया गया. जिस हथियार से उस लड़की की हत्या की गई, वह हथियार भी पुलिस ने झोपड़ी से बरामद कर लिया है. जांच अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक हत्या के बाद फरार संदिग्ध को पकड़ने के लिए एक पुलिस की टीम गुजरात भेजी गई है. हॉस्पिटल ने लड़की की डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

हद से बढ़कर हुई क्रूरता, यूं हुई नौवीं में पढ़ने वाली लड़की की हत्या

बेहद ही बेरहम से नौवीं में पढ़ने वाली इस लड़की को मारा गया है. जांच में यह बात सामने आई है कि उसके पेट में 12 बार चाकू भोंका गया है. विले पार्ले के एक स्कूल में वह पढ़ रही थी. एक दिन शाम सवा छह के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंची तो उसके अभिभावकों ने 25 अगस्त को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट अंधेरी पुलिस स्टेशन में लिखवा दी. इसी बीच वालीव पुलिस को एक लड़की की डेड बॉडी से भरा बैग को नायगांव के पेरियार नगर में मिला. शव के पास मिले सामान से उसके स्कूल का पता चला और इस तरह पुलिस लड़की के अभिभावकों तक पहुंची.

ऐसे बढ़ी तहकीकात, पुलिस आखिर पहुंची कातिल के पास

अभिभावकों ने जब लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई तब उन्होंने पुलिस को यह नहीं बताया था कि उसका 21 साल का एक दोस्त भी है जो बांद्रा ईस्ट में रहता है और कैटरिंग का धंधा करता है. पुलिस को अन्य सूत्रों से इस लड़के के बारे में पता चला. इस लड़के की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं पाई गई. फिर भी पुलिस संदेह के आधार पर उस लड़के के घर तक पहुंची. वहां पता चला कि वह लड़का भी दो दिनों से अपने घर नहीं आया है. इसके बाद अंधेरी पुलिस ने निर्मल नगर पुलिस से संपर्क साधा. पुलिस ने इस लड़के के रिश्तेदारों से बात की तो उसके एक दोस्त के बारे में जानकारी मिली जो जुहू इलाके की एक झोपड़ी में रहता है. पुलिस वहां पहुंची तो झोपड़ी में ताला लगा था. पुलिस जब ताला तोड़ कर अंदर घुसी तो वहां फर्श पर खून के निशान दिखाई दिए और वह हथियार भी मिल गया, जिससे हत्या हुई थी.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

फिर चांद की ओर

अमेरिका के विज्ञान जगत में इन दिनों खुशी की एक लहर है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा पचास साल बाद इंसान को फिर से चांद पर उतारने की तैयारी में है। योजना साकार हुई, तो एसएलएस 29 अगस्त को अपने लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा। यह यान अंतरिक्ष में एक छोटा, बगैर-चालक वाले एक ऐसे कैप्सूल को साथ ले जाएगा, जो अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाने में सक्षम है। ओरियन नामक यह कैप्सूल चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएगा और 42 दिन बाद पृथ्वी पर वापस आ जाएगा। यह परीक्षण उड़ान बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि नासा आगामी समय में अनेक अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल की मदद से अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में है। वर्ष 1972 के बाद से कोई इंसान चांद पर नहीं गया है, क्योंकि उसकी जरूरत महसूस नहीं हुई। चांद पर जाने की होड़ शीत युद्ध के समय चरम पर थी। अमेरिका व तत्कालीन सोवियत संघ मुकाबले में लगे थे, लेकिन चांद पर सोवियत संघ किसी वस्तु को पहुंचाने में भले पहले कामयाब हुआ, लेकिन अमेरिका ने अपने 17 यात्रियों को बारी-बारी न केवल चांद पर पहुंचाया, बल्कि सुरक्षित लौटा भी लाया। इतनी बड़ी अमेरिकी कामयाबी के बाद सोवियत संघ ने मानव अभियान से पांव पीछे खींच लिए और उसके बाद किसी देश को चांद पर जाने की जरूरत महसूस नहीं हुई।

इस बार जिस रॉकेट का इस्तेमाल हो रहा है, वह बहुत शक्तिशाली है। कैप्शूल का प्रयोग तो अत्याधुनिक है। कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के एक एयरोस्पेस इंजीनियर लुईस जिया कहते हैं, ह्यहम अंतरिक्ष-उड़ान विज्ञान अनुसंधान के एक नए युग में पहुंच गए हैं।ह्न चार अरब अमेरिकी डॉलर से भी ज्यादा खर्च वाले इस अभियान के तहत अनेक प्रयोग किए जाएंगे। चांद पर बर्फ की खोज, विकिरण के मानव शरीर पर असर को भी जांचा जाएगा। जापान का एक लैंडर भी चांद पर उतरने की कोशिश करेगा, यह अब तक का सबसे हल्का महज 700 ग्राम का लैंडर है। यह जापान के लिए एक बड़ी कामयाबी होगी। नासा के अभियान को आर्टेमिस नाम दिया गया है, यह ग्रीक पौराणिक कथाओं से लिया गया नाम है, आर्टेमिस दरअसल अपोलो की जुड़वां बहन है। यह दशार्ता है कि यह नासा के सफलतम अपोलो कार्यक्रम का ही आधुनिक अवतार है। अपोलो कार्यक्रम के तहत ही पहली बार इंसान चांद पर उतरा था। योजना के अनुसार, आर्टेमिस-2 अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की कक्षा में ले जाएगा और चक्कर लगाएगा। उसके बाद आर्टेमिस-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को उतारेगा। साल 2025 या उसके बाद पहली बार कोई महिला चांद पर उतरेगी। नासा की योजना इंसानों को चांद पर उस जगह उतारने की है, जहां पानी या बर्फ की संभावना बताई जा रही है। वाकई अगर चांद पर पानी का इंतजाम हो गया, तो वहां इंसानों के ज्यादा दिन रहने के अवसर बनेंगे। चांद पर हाइड्रोजन के रूप में पानी की तलाश है। चूंकि 7 दिसंबर, 1972 के बाद चांद पर कोई इंसान नहीं उतरा है, अतः अगला जो भी इंसान उतरेगा, एक नया ही इतिहास रचेगा। पचास साल पहले नौ अभियान चांद तक पहुंचे थे, जिसमें से छह अभियानों के जरिये इंसानों ने चांद की यात्रा की।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

पोस्टर नहीं लगाऊंगा, वोट देना है दो: नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री ने दिए अगला चुनाव लड़ने के संकेत

मुंबई : राजनीति से संन्यास लेने की अटकलों के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अगला चुनाव लड़ने के संकेत दे दिए। अंधेरी में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि वे ना कट आउट्स लगाएंगे और ना ही पोस्टर और बैनर लगाएंगे, ना ही कार्यकताओं को चाय-नाश्ता करवाएंगे, फिर भी वोट देना है तो दो, वरना रहने दो। इसके बाद गडकरी ने यह विश्वास जताया कि फिर भी लोग वोट देंगे, लोगों को काम करने वाला आदमी चाहिए। अगर उन्हें काम करने वाला बंदा मिलता है तो वे जेब से पैसे भी निकालते हैं और वोट भी।

गडकरी को हाल में भाजपा की सबसे अहम बॉडी संसदीय बोर्ड से हटा दिया गया था। इसी दौरान उन्होंने एक सभा में राजनीति छोड़ने की इच्छा जताई थी। उन्होंने यह भी कहा था कि आज राजनीति सेवा करने का माध्यम नहीं बल्कि सिर्फ और सिर्फ सत्ता पाने का मकसद बन कर रह गई है। उन्होंने कहा था कि उन्हें कई बार ऐसा खयाल आता है कि वे राजनीति छोड़ दें, लेकिन अब उन्होंने अगला चुनाव लड़ने की तैयारी दिखाई है।

अंधेरी में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट के दीक्षांत कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि वे कट आउट्स, बैनर्स, पोस्टर नहीं लगाएंगे और ना ही कार्यकताओं को चाय-नाश्ता कराएंगे। फिर भी वोट देना है तो दो, वरना रहने दो। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि लोग उन्हें ही वोट देंगे, क्योंकि लोगों को काम करने वाला आदमी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे और मुंबई के वर्ली सी लिंक का खर्च टोल के कलेक्शन से आराम से निकल गया है। अब वे मुंबई के नरीमन प्वाइंट से वसई तक 15 मिनट में पहुंचने के लिए इंतजाम कर रहे हैं। लोगों को सुविधाएं मिलनी चाहिए, लोग ऐसे ही लोगों को पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि जब सड़कें बनती हैं, पुल बनते हैं तो लोगों का आने-जाने का पेट्रोल-डीजल का खर्चा भी बचता है और समय भी बचता है। ऐसे में वे खुशी-खुशी टोल टैक्स देते हैं।

गडकरी ने कहा कि मैं हाल ही में वे अमिताभ बच्चन से मिला था। उन्होंने बारिश के वक्त मुंबई की सड़कों पर पानी भरने और गड्ढों का जिक्र किया था। दरअसल कर्मचारियों, इंजीनियरों और अधिकारियों से मेरा यही कहना रहता है कि दुनिया में जो तकनीकें उपलब्ध हैं, उनको लेकर वे जागरूक रहें और उनका भरपूर इस्तेमाल करें।

बिल्कीस बानो मामले में राकांपा का प्रदर्शन

दोषियों की रिहाई का किया विरोध

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महिला प्रदेश अध्यक्ष विद्या चव्हाण के नेतृत्व में नवीन राष्ट्रवादी भवन मुंबई के समक्ष बिल्कीस बानो मामले में गुजरात सरकार द्वारा 11 दोषियों को रिहा किए जाने के खिलाफ शनिवार को प्रदर्शन किया। ठाणे में भी शिवाजी स्क्वायर पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और गुजरात की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस दौरान मैं भी देश की बेटी हूं...मुझे इंसाफ चाहिए...हमें माफ करो बिल्कीस बानो....और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए गए। बता दें कि गुजरात में गोधरा उपजेल से 15 अगस्त को 11 दोषियों की रिहाई के बाद जघन्य मामलों में इस तरह की राहत के मुद्दे पर देशभर में बहस छिड़ गई है। मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत ने 21 जनवरी, 2008 को बिल्कीस बानो से सामूहिक बलात्कार और बिल्कीस बानो के परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बाद में बंबई उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने उनकी सजा बरकरार रखी थी। वर्ष 2002 में गोधरा में एक ट्रेन में आगजनी की घटना के बाद भड़की सांप्रदायिक हिंसा के दौरान बिल्कीस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था, घटना के समय वह पांच महीने की गर्भवती थीं। मारे गए लोगों में उनकी तीन साल की बेटी भी शामिल थी।

एक्टर के साथ एक सफल बिजनेसमैन भी हैं करणवीर बोहरा,

इस ब्रांड के हैं मालिक

एक्टर करणवीर बोहरा आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है। अपनी एक्टिंग की वजह से वह घर-घर में फेमस हैं। करणवीर उन चुनिंदा अभिनेताओं में से एक हैं जिन्होंने अपने एक्टिंग के दम पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। वह हर साल 28 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाते हैं। वह एक मारवाड़ी फैमिली से ताल्लुक रखते हैं। आज उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी खास बातें। करणवीर बोहरा का असली नाम मनोज है। वह राजस्थान के जोधपुर के रहने वाले हैं। फिल्म दुनिया से उनका पुराना नाता है। उनके पिता महेंद्र बोहरा एक फिल्ममेकर हैं। वहीं, उनके दादा रामकुमार बोहरा फिल्म एक्टर के साथ प्रोड्यूसर भी रह चुके हैं। उनकी पढ़ाई की बात करें तो एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया था।

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की शुरूआत

करणवीर ने कम उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। फिल्म 'तेजा' में उन्होंने बतौर बाल कलाकार अपने करियर की शुरूआत की। इस फिल्म के बाद वह सोनी पर प्रसारित होने वाले शो 'जस्ट मोहब्बत' में भी दिखे। इस सीरियल के बाद उन्हें छोटे पर्दे पर कई ऑफर मिलने लगे। बाद में उन्होंने 'शरारत', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कुसुम', 'कुबूल है' और नागिन 2 जैसे धारावाहिकों में काम किया। सीरियल के अलावा वह 'नच बलिए 4', 'झलक दिखला जा 6', 'फीयर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 5', 'बिग बॉस 12' और 'लॉक अप' जैसे रियलिटी शो का भी हिस्सा रह चुके हैं।

फिल्मों में भी चुके हैं नजर

सिर्फ टीवी पर ही नहीं बल्कि करणवीर अपनी किस्मत बड़े पर्दे पर भी आजमा चुके हैं। 'किस्मत कनेक्शन', 'लव यू सोनिए', 'मुंबई 125 केएम', 'पटेल की पंजाबी शादी' और 'हमें तुमसे प्यार कितना' जैसी बॉलीवुड फिल्मों में वह काम कर चुके हैं। इसके अलावा वह डिजिटल माध्यम में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। 'द कैसिनो' और 'भंवर' वेब सीरीज में उन्होंने काम किया है। एक्टिंग के अलावा वह एक बिजनेसमैन भी हैं। उनका खुद का एक क्लोथिंग ब्रांड भी है। इस ब्रांड का नाम पेगासस है।

NCP नेता की चेतावनी!

'रेगुलर मुंबई लोकल के एवज में एसी लोकल चली तो आग लगेगी...'

मुंबई : NCP नेता और विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि रेगुलर मुंबई लोकल ट्रेनों को कम कर एसी लोकल बढ़ाने के मध्य रेलवे के फैसले के खिलाफ जनता की नाराजगी एक बम की तरह है. बम तैयार है, कभी भी आग लग सकती है. अगर रेगुलर मुंबई लोकल ट्रेनों को कम करके एसी लोकल ट्रेनें बढ़ाई गईं तो आंदोलन अटल है. ऐसी आग लगेगी कि सेना बुलाकर भी कंट्रोल करना मुश्किल हो जाएगा. मुंबई के कलवा-मुंब्रा क्षेत्र के विधायक और एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने इन्हीं शब्दों में सरकार को यह चेतावनी दी है कि मध्य रेलवे साधारण लोकल की बजाए अगर फिर से एसी लोकल की फेरियां बढ़ाने की कोशिश करेगी तो तीव्र आंदोलन होगा.

कुछ दिनों पहले मध्य रेलवे ने साधारण मुंबई लोकल ट्रेनें रद्द करके उनकी बजाए एसी लोकल ट्रेनें शुरू की थीं. इससे आम यात्री भड़क गए थे और उन्होंने आंदोलन किया था. इसके बाद मध्य रेलवे ने एसी लोकल की फेरियां रद्द करने का फैसला किया. आज (28 अगस्त, रविवार) ठाणे के कलवा स्टेशन के पास रेलवे प्रवासी संगठन की मीटिंग बुलाई गई. इस मीटिंग में मध्य रेलवे को यह साफ मैसेज दिया गया कि अगर फिर साधारण मुंबई लोकल की एवज में एसी लोकल की फेरियां बढ़ाई गईं तो तेज आंदोलन होगा. कलवा के कावेरी ब्रिज में हुई इस मीटिंग में विधायक जितेंद्र आव्हाड भी मौजूद थे.

कुछ दिनों पहले बदलापुर और कलवा के यात्रियों ने ही एसी लोकल की फेरियां बढ़ाए जाने का विरोध यह कह कर किया था कि पहले ही यात्रियों की भीड़ की वजह से ट्रेनों पर चढ़ना मुश्किल होता है. ऐसे में अगर साधारण लोकल की फेरियां कम करके एसी लोकल ट्रेनें चलाई गईं तो ट्रेन में चढ़ना और भी मुश्किल हो जाएगा. आम यात्री एसी लोकल ट्रेनों का खर्चा नहीं उठा सकते. यह बात लोकप्रतिनिधियों ने भी रेल प्रशासन को समझाने की कोशिश की. इसके बाद मध्य रेलवे ने 10 एसी लोकल ट्रेनों को रद्द कर दिया था और इन्हें नॉर्मल लोकल की तरह ही चलाने की बात कही थी. मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग ने ट्वीट कर यह जानकारी दी थी. इन्हीं पृष्ठभूमियों की बीच आज ठाणे, कलवा, डोंबिवली, कल्याण, बदलापुर, टिटवाला और मुंबई सिटी के अलग-अलग रेल यात्री संगठनों ने मिलकर बैठक आयोजित की. इस बैठक में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए एनसीपी नेता और विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि आंदोलन किए बिना कुछ नहीं होता है. कुछ महिला यात्रियों ने आंदोलन किया तो मध्य रेलवे को एसी लोकल बंद करना पड़ा. जो आंदोलन बिना नेतृत्व के स्वतःस्फूर्त शुरू होता है, वो आग की तरह एकदम से फैलता है. फिर उसे कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है.

यात्रियों की नाराजगी बम की तरह, लग सकती कभी भी आग- आव्हाड

एसी लोकल उन हजारों यात्रियों को नहीं ले जा सकती, जितने लोगों को साधारण लोकल ले जाती है. एसी लोकल के खिलाफ जगह-जगह जो यात्रियों ने नाराजगी दिखाई है वो एक बम की तरह है, जिसमें कभी भी आग लग सकती है. मध्य रेलवे को इसका एहसास होना चाहिए.

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने लिया लड़की का लुक...!

बोले- अब समझ आ गया हिरोइन इतना टाइम क्यों लेती हैं

बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक माने जाने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी आजकल अपनी आने वाली फिल्म 'हड्डी' के फर्स्ट लुक को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में नवाज का डबल रोल है। इनमें से एक रोल एक महिला का है जबकि दूसरा रोल एक ट्रांसजेंडर का है। जब नवाज का यह फर्स्ट लुक सामने आया तो लोग इसकी तुलना अर्चना पूरन सिंह से करने लगे। अब नवाज ने कहा है कि वह इस रोल को निभाने के बाद समझ गए हैं कि एक्ट्रेस को एक शॉट के लिए तैयार होने में इतना वक्त क्यों लगता है।

डायरेक्शन अक्षत अजय शर्मा के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'हड्डी' एक रिवेंज ड्रामा फिल्म है। नवाज और अक्षत की मुलाकात वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' के सेट्स पर हुई थी। अक्षत इस सीरीज में असिस्टेंट डायरेक्टर थे। जब 'हड्डी' की शूटिंग शुरू हुई तो नवाज को इस लुक में तैयार होने में 3 घंटे का समय लगता था। इस बारे में हमारे सहयोगी बॉम्बे टाइम्स से बात करते हुए नवाज ने कहा, 'जब मैं एक महिला की ड्रेस में होता था तो मेरी बेटी बड़ी अपसेट हो जाती थी। अब उसे इस रोल के बारे में पता चला है तो वह ठीक है और समझ गई है।'

नवाज ने अपने इस अनुभव पर बात करते हुए आगे कहा, 'इस एक्सपीरियंस के बाद मैं इतना जरूर कहूंगा कि अब मैं सभी एक्ट्रेस का सम्मान करता हूं जो ये काम रोजाना करती हैं। इतना सारा ताम-झाम होता है। बाल, मेकअप, कपड़े, नेल्स...पूरा संसार लेकर चलना पड़ता है। अब मुझे समझ में आ गया है कि एक्ट्रेसेस को तैयार होने और वैनिटी वैन से बाहर निकलने में इतना वक्त क्यों लगता है। यह बिल्कुल ठीक है और अब मैं आराम से उनका इंतजार कर पाऊंगा।' वर्क फ्रंट की बात करें तो नवाजुद्दीन सिद्दीकी पिछली बार फिल्म 'हीरोपंती 2' में नजर आए थे। 'हड्डी' के अलावा वह 'अद्भुत', 'टीकू वेड्स शेरू', 'नूरानी चेहरा', 'बोले चूड़ियां' और 'अफवाह' जैसी फिल्मों में भी नजर

एक्सीडेंटल क्लेम की सबसे बड़ी रकम!

परिवार को मिले 4.13 करोड़ रुपये

मुंबई : कई बार ऐसा होता है जब किसी की दुर्घटना में मौत होती है और उनके परिवार को भारी भरकम रकम मिलती है। महाराष्ट्र के मुंबई से एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक कपड़ा व्यापारी की मौत के बाद उसके परिवार को रिकॉर्ड चार करोड़ तरह लाख रुपये मिल गए। यह हाल फिलहाल बीमा के माध्यम से मिली सबसे बड़ी रकम में से एक है।

ट्रक के मालिक और बीमा कंपनी को आदेश दिया

दरअसल, यह घटना मुंबई के साकीनाका इलाके की है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि मोटर दुर्घटना क्लेम ट्रिब्यूनल ने डंपर ट्रक के मालिक और बीमा कंपनी को आदेश दिया कि साकीनाका के 54 साल के कपड़ा व्यापारी के परिवार को संयुक्त रूप से लगभग 4.13 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

मिलेंगे रिकॉर्ड चार करोड़ तरह लाख रुपये

रिपोर्ट के मुताबिक इस कपड़ा व्यापारी की मौत 2016 में हुई थी जब उनकी बाइक एक डंपर ट्रक से टकरा गई थी। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कई टिप्पणियां भी की हैं साथ ही बीमा कंपनी के उन दावों का भी खंडन किया जिसमें कंपनी ने बताया था कि पीड़ित ने हेलमेट नहीं पहना था इसलिए उसकी मौत के लिए वह खुद जिम्मेदार था।

28 अगस्त 2016 को हुई की शख्स की मौत

यह भी बताया गया था कि परिजनों ने तीन करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की थी। कपड़ा व्यापारी की पत्नी जमील शेख और उसके छह बच्चे डंपर ट्रक मालिक के खिलाफ 7 नवंबर 2016 को ट्रिब्यूनल गए थे। परिवार ने कहा कि 28 अगस्त 2016 को ट्रक ने पीछे से बाइक को टक्कर मारी थी और उनकी मौत हो गई थी। फिलहाल अब उनको रिकॉर्ड चार करोड़ तरह लाख रुपये मिल गए हैं।

37 फिल्मों में एक महिला एक्टर

तालिबान के कब्जे के बाद करीब एक साल बाद अफगानिस्तान में खुलने जा रहे सिनेमाघर...!

अफगानिस्तान : तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर कब्जा जमाए जाने के करीब एक साल बाद देश के सिनेमाघरों में फिल्मों का शो शुरू होने जा रहा है। सिनेमाघरों में शो को अनुमति जरूर दे दी गई है लेकिन महिला कलाकारों की भूमिकाएं बहुत सीमित हैं। तालिबान ने पिछले साल अगस्त के महीने में तालिबान पर कब्जा जमाया था। अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद तालिबान ने देश में कई तरह के प्रतिबंध भी लगा रखे हैं। खासकर महिलाओं को लेकर तालिबान का रवैया पुराने जैसा ही है।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, 37 फिल्में और डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित होने के लिए लाइन में हैं, लेकिन यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आतिफा मोहम्मदी एकमात्र महिला अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हाल ही में बनी इन फिल्मों में से एक में भूमिका निभाई है। फिल्मों के अभिनेता सिनेमाघरों के फिर से खुलने से खुश हैं और उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्मों के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराना होगा। एक कलाकार अब्दुल साबोर खिनजी ने कहा, एक साल बाद सिनेमा के दरवाजे फिर से खुल गए हैं। हम खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने अपनी पॉकेट मनी से फिल्मों पर खर्च किया है। मीडिया पोर्टल के अनुसार, एक अन्य कलाकार फैयाज इफ्तिखार ने कहा, हम अपना काम करके खुश थे। काबुल निवासी जहरा मुर्तजावी ने एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा, 'इस क्षेत्र में महिलाओं को प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह महिलाओं का अधिकार है। मुझे नहीं लगता कि महिलाओं की उपस्थिति के बिना कोई फिल्म अच्छी लगती है।'

तालिबान ने पिछले महीने घोषणा की कि महिलाओं और लड़कियों को तब तक अपने घरों से बाहर नहीं निकलना चाहिए जब तक जरूरी न हो। अगर वे बाहर निकल भी रहीं हैं तो पूरे शरीर को ढक कर ही निकलना चाहिए। तालिबानी शासन के इस फरमान से वो लोग हैरा रहे जो 1996 से 2001 तक तालिबान शासन के अंतिम दौर से नहीं गुजरे थे।

'कठपुतली अध्यक्ष बनाकर 'बैकसीट ड्राइविंग' होगी तो कांग्रेस नहीं बच पाएगी'

पृथ्वीराज चव्हाण का अपनी पार्टी करारा तंज

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद कांग्रेस की आंतरिक कलह एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है. पार्टी के नेतृत्व और भविष्य को लेकर फिर से सवाल खड़े किए जा रहे हैं. इसी विषय पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण से सवाल किए जिसका उन्होंने जवाब दिया.

इस सवाल, आप गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे को कैसे देखते हैं?, के जवाब में चव्हाण ने कहा कि ''उनका इस्तीफा देना दुर्भाग्यपूर्ण है... जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होना है. जम्मू-कश्मीर में बहुत ही जूनियर और बाहर से आए व्यक्ति (तारिक हमीद कर्रा) को राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) का प्रमुख बनाया गया और आजाद साहब को सदस्य बनाया गया. इसका क्या कारण था? क्या इस पर चर्चा हुई ? अपमानित करने की कोई जरूरत नहीं थी. यह बताने की जरूरत नहीं थी कि इनकी कोई कद्र नहीं है. एक तरफ सोनिया जी ने गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा जैसे नेताओं को चुनाव अभियान में शामिल किया. कुछ न कुछ जिम्मेदारी भी दी थी. नीचे वाले लोगों, जिन्हें आजाद साहब ने 'कोटरी' कहा है, उन्होंने सोनिया जी

की बात भी नहीं मानी.''

गुलाम नबी आजाद के आरोपों पर चव्हाण ने ये कहा

पृथ्वीराज चव्हाण ने इस सवाल, आजाद ने अपने त्यागपत्र में जो मुद्दे ने उठाए हैं, उन पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है?, के जवाब में आजाद ने कहा कि कुछ आरोप निजी है. चव्हाण ने जवाब दिया कि ''आजाद साहब के त्यागपत्र में कुछ निजी आरोप हैं, उन पर कुछ नहीं कहूंगा. पहले के पत्र (अगस्त, 2020) पत्र में उठाए गए मुद्दे वाजिब हैं. हम आज भी उस पर कायम हैं. एक अहम मुद्दा यह है कि अगर राहुल गांधी ने कहा है कि वह और उनके परिवार का कोई अध्यक्ष नहीं होगा तो उन पर विश्वास क्यों नहीं किया जाता? अगर वह नहीं बनते हैं तो दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी. चुनाव कराया जाए और फिर कोई अध्यक्ष बनेगा.''

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए राहुल

समय रहते कदम उठाने की जरूरत- पृथ्वीराज चव्हाण

'जी 23' में चव्हाण के भी शामिल होने और पत्र में जो उठाए उठाए गए मुद्दों का समाधान किस हद तक हुआ है?, के सवाल पर उन्होंने कहा कि "हमने सोनिया जी मंथन की बात की थी. लेकिन उदयपुर में चिंतन शिविर की बजाय उसका नाम बदलकर नवसंकल्प शिविर कर दिया गया. चिंतन तो रोक दिया गया. चिंतन करने की इनकी अच्छा नहीं लगती. सोनिया जी ने इसे कैसे स्वीकार किया, मुझे नहीं पता. कुछ छोटे-छोटे कदम जरूर उठाए गए हैं. हमने चिंतन के लिए इसलिए कहा था कि हम दो लोकसभा चुनाव हारे, करीब 40 विधानसभा चुनाव हारे. इस पर कोई चिंतन शिविर हुआ क्या? अगर हम चिंतन नहीं करेंगे तो ऐसे ही चलता रहेगा. हमने पत्र में जो बात कही थी, उसकी एक-एक बात पर हम कायम हैं. गुलाम नबी आजाद ने जो लिखा, उसमें भी कई सारी बातें हैं. अब तो बातों का समय निकल गया, अब कदम उठाने (एक्शन) का समय है. कदम नहीं उठाया गया तो पार्टी को बचाना मुश्किल होगा."

BMC इलेक्शन को लेकर एक्टिव मोड में बीजेपी

5 सितंबर को अमित शाह और 15-16 को जेपी नड्डा का दौरा

मुंबई : महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनने के बाद पहली बार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अगले महीने मुंबई का दौरा करेंगे। अमित शाह का 5 सितंबर को मुंबई पहुंचने का कार्यक्रम है। वे मुंबई आकर लालबाग के राजा का दर्शन करेंगे। साल 2017 में बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद से ही अमित शाह हर साल लालबाग के राजा का दर्शन करने मुंबई आते रहे हैं। अमित शाह के बाद 15 और 16 सितंबर को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का महाराष्ट्र दौरा है। यानी मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर बीजेपी एक्टिव मोड में नजर आ रही है।

इस बीच महाराष्ट्र के नागपुर जिले में आज आरएसएस और बीजेपी नेताओं के बीच समन्वय बैठक शुरू है। नागपुर के रेशीम बाग में डॉ हेडगेवार स्मृति भवन परिसर में यह बैठक हो रही है। इस बैठक में आरएसएस के दत्तात्रय होसबोले और बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, पूर्व बीजेपी अध्यक्ष और मंत्री चंद्रकांत पाटील और मंत्री सुधीर मुनगंटीवार जैसे राज्य के कद्दावर

बीजेपी नेता शामिल हैं।

बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने मुंबई दौरे के दौरान सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी के मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार के घर भगवान गणेश का दर्शन करने जाएंगे। बीएमसी चुनाव में जीत दर्ज करने की रणनीति तय करने के लिए अमित शाह का यह दौरा बीजेपी के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। इस साल के आखिर में बीएमसी चुनाव होने की संभावना हैं। यह चुनाव उद्धव ठाकरे की शिवसेना के अस्तित्व के लिए और बीजेपी के लिए और शिंदे गुट को शिवसेना के गढ़ में अपने आप को साबित करने के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है।

महाराष्ट्र की गद्दी छिनने के बाद ठाकरे गुट की शिवसेना की ताकत को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बीजेपी बीएमसी की सत्ता हथियाने के लिए काफी आक्रामकता के साथ काम कर रही है। बीएमसी की लड़ाई लड़ने के लिए व्यक्तिगत रूप से अमित शाह के मैदान में उतरने की पूरी संभावना है। इसी के तहत अमित शाह गणेशोत्सव के दौरन मुंबई का दौरा कर रहे हैं। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस सरकार बनने के बाद अमित शाह का यह पहला महाराष्ट्र दौरा है। कुछ दिनों पहले उनका नासिक के त्रयंबकेश्वर दौरे की योजना बनी थी। लेकिन उसी समय एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से बगावत कर ली और कुछ विधायकों को लेकर सूरत और फिर गुवाहाटी चले गए थे।

मुंबई में 4 करोड़ रुपये कैशबैक धोखाधड़ी के आरोप में पूर्व बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई में चार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में पुलिस ने बैंक के एक पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। बैंक के 41 वर्षीय पूर्व कर्मचारी ने क्रेडिट कार्ड धारकों को मिलने वाले कैशबैक के जरिए धोखाधड़ी की। साकी नाका पुलिस के अधिकारी ने बताया कि मई माह में बैंक की तरफ से नितिन खरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर नितिन खरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। खरे एक संविदा कर्मचारी थे और बैंक ग्राहकों की खरीदारी और कैशबैक का डेटा संभालते थे। आरोपी ने 83 क्रेडिट कार्डों पर अर्जित कैशबैक के जरिए बैंक से चार करोड़ रुपये

की ठगी की। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही साका नाका पुलिस के सामने आया था कि यह धोखाधड़ी जनवरी से अगस्त 2021 के बीच की गई। यह मामला तब सामने आया जब बैंक के कुछ ग्राहकों ने खरीदारी के बावजूद अपने क्रेडिट कार्ड खातों में कैशबैक न आने की शिकायत बैंक में दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के एक दोस्त ने कथित तौर पर अलग-अलग लोगों के क्रेडिट कार्ड मुहैया कराए और उसने अपने दोस्तों के क्रेडिट कार्ड खातों में फर्जी कैशबैक का लाभ दिया था। कैशबैक का लाभ लेने वाले सभी नासिक के बताए जा रहे हैं। अभी इस मामले में और भी गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र की सरकारी बसों में मुफ्त होगी 75 वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों की यात्रा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने कहा है कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोग शुक्रवार से उसकी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकते हैं. एमएसआरटीसी की एक विज्ञप्ति में राज्य द्वारा संचालित परिवहन उपक्रम के उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक शेखर चन्ने के हवाले से कहा गया है कि इस मुफ्त यात्रा योजना

के लिए पात्र लोगों को किराया राशि वापस मिलेगी यदि उन्होंने 26 अगस्त से पहले अपने टिकट बुक किए थे. विज्ञप्ति में कहा गया है कि 65 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को उपक्रम द्वारा संचालित सभी प्रकार की बस सेवाओं पर टिकट किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी.

विज्ञप्ति में कहा गया है कि आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र जैसे पहचान दस्तावेज दिखाकर मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है. विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि यह सुविधा एमएसआरटीसी की सिटी बसों के लिए उपलब्ध नहीं है और यह राज्य की सीमा के भीतर यात्रा के लिए होगी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!